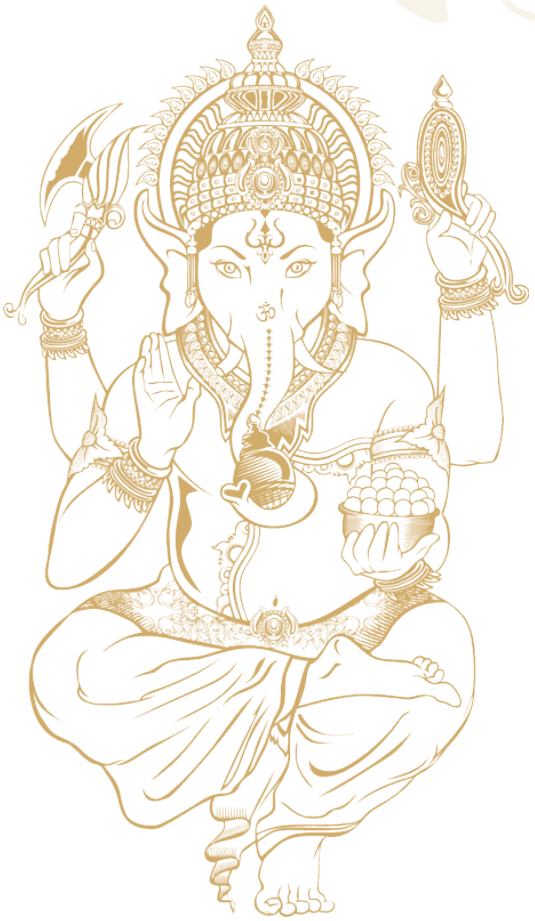

Saurabh Shukla

19 Dec 1998

07:10 PM

Ajgain

Model: web-freekundliweb

Order No: 121074207

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/12/1998**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:10:00 घंटे**
इष्ट	30:48:34 घटी
स्थान	**Ajgain**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:37:00 उत्तर
रेखांश	80:37:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:07:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:02:28 घंटे
वेलान्तर	00:03:04 घंटे
साम्पातिक काल	00:54:17 घंटे
सूर्योदय	06:50:34 घंटे
सूर्यास्त	17:18:31 घंटे
दिनमान	10:27:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	03:36:08 धनु
लग्न के अंश	29:15:26 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	29:15:26	311:37:13	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			धनु	03:36:08	01:01:06	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			धनु	10:40:36	12:24:58	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			कन्या	18:12:12	00:31:26	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	12:05:11	00:58:05	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु			कुंभ	26:28:17	00:06:53	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
शुक्र			धनु	15:56:54	01:15:19	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	सम राशि
शनि	व		मेष	03:01:21	00:01:07	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	नीच राशि
राहु	व		कर्क	29:41:37	00:09:17	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	29:41:37	00:09:17	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	16:30:15	00:02:47	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	06:47:22	00:01:59	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	14:49:24	00:02:15	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मीन	20:53:47	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:23

लग्न-चलित

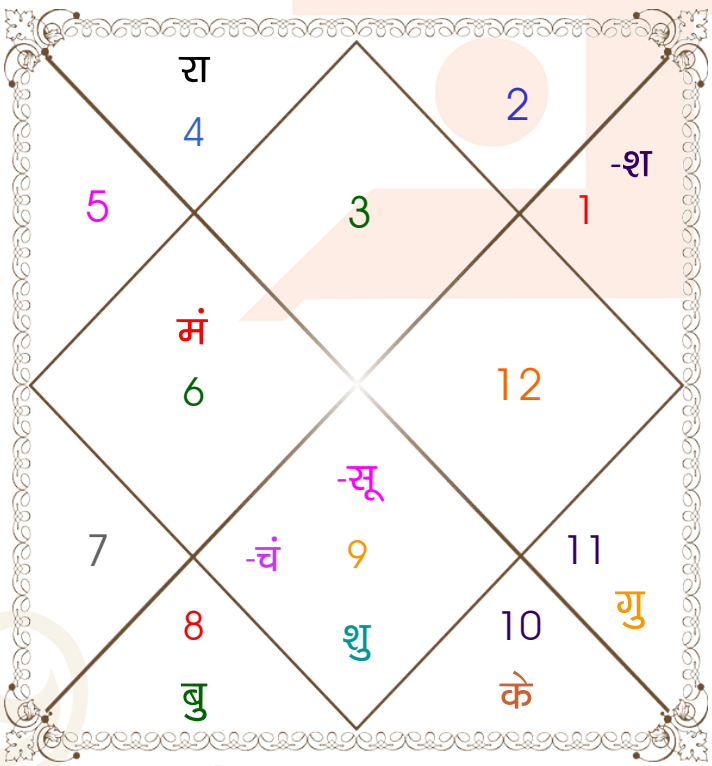

चन्द्र कुंडली

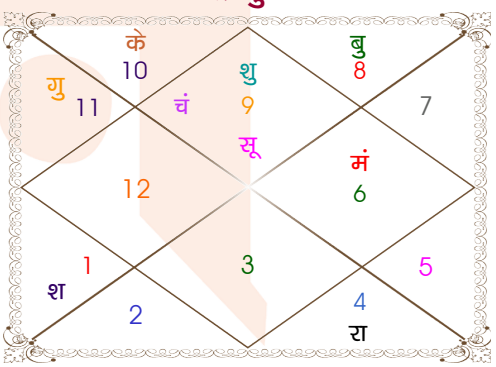

नवमांश कुंडली

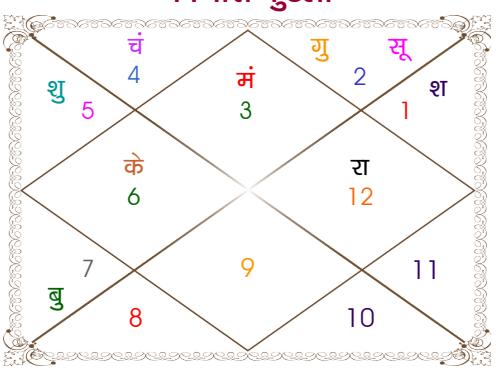

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 4 मास 22 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/12/1998		12/05/2000		12/05/2020		12/05/2026		12/05/2036	
12/05/2000		12/05/2020		12/05/2026		12/05/2036		13/05/2043	
	00/00/0000	शुक्र	11/09/2003	सूर्य	29/08/2020	चंद्र	13/03/2027	मंगल	08/10/2036
	00/00/0000	सूर्य	11/09/2004	चंद्र	28/02/2021	मंगल	12/10/2027	राहु	26/10/2037
	00/00/0000	चंद्र	12/05/2006	मंगल	06/07/2021	राहु	12/04/2029	गुरु	02/10/2038
	00/00/0000	मंगल	12/07/2007	राहु	31/05/2022	गुरु	12/08/2030	शनि	11/11/2039
	00/00/0000	राहु	12/07/2010	गुरु	19/03/2023	शनि	12/03/2032	बुध	07/11/2040
	00/00/0000	गुरु	12/03/2013	शनि	29/02/2024	बुध	11/08/2033	केतु	05/04/2041
	19/12/1998	शनि	12/05/2016	बुध	04/01/2025	केतु	12/03/2034	शुक्र	06/06/2042
शनि	16/05/1999	बुध	13/03/2019	केतु	12/05/2025	शुक्र	11/11/2035	सूर्य	11/10/2042
बुध	12/05/2000	केतु	12/05/2020	शुक्र	12/05/2026	सूर्य	12/05/2036	चंद्र	13/05/2043

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/05/2043		12/05/2061		12/05/2077		12/05/2096		13/05/2113	
12/05/2061		12/05/2077		12/05/2096		13/05/2113		00/00/0000	
राहु	23/01/2046	गुरु	30/06/2063	शनि	15/05/2080	बुध	08/10/2098	केतु	09/10/2113
गुरु	17/06/2048	शनि	11/01/2066	बुध	23/01/2083	केतु	06/10/2099	शुक्र	09/12/2114
शनि	24/04/2051	बुध	17/04/2068	केतु	03/03/2084	शुक्र	06/08/2102	सूर्य	16/04/2115
बुध	11/11/2053	केतु	24/03/2069	शुक्र	03/05/2087	सूर्य	13/06/2103	चंद्र	15/11/2115
केतु	29/11/2054	शुक्र	23/11/2071	सूर्य	14/04/2088	चंद्र	11/11/2104	मंगल	12/04/2116
शुक्र	29/11/2057	सूर्य	11/09/2072	चंद्र	14/11/2089	मंगल	09/11/2105	राहु	01/05/2117
सूर्य	24/10/2058	चंद्र	11/01/2074	मंगल	23/12/2090	राहु	28/05/2108	गुरु	07/04/2118
चंद्र	23/04/2060	मंगल	17/12/2074	राहु	29/10/2093	गुरु	03/09/2110	शनि	20/12/2118
मंगल	12/05/2061	राहु	12/05/2077	गुरु	12/05/2096	शनि	13/05/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 4 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।